हिन्दुस्तान, मंगलवार, 25 जुलाई, 2006

पूंजी बाजार को भी टटोलें

पूंजी अथवा फाइनेंस किसी भी कंपनी की रीढ़ है। ऐसे में यदि इस क्षेत्र में विश्वास न हो तो पूरी व्यवस्था चरमरा सकती है। इक्विटी स्टॉक एक्सचेंज, डेब्ट मार्केट, रीयल स्टॉक एक्सचेंज इत्यादि क्षेत्र में ग्राहकों का विश्वास ही मूल पूंजी है। इसलिए फाइनेंशियल प्रोजक्ट्स की जटिलताओं को समझने के लिए दक्ष प्रोफेशनलों की मांग बढ़ती जा रही है। फाइनेंस के बिना किसी भी कंपनी के संचालन की कल्पना नहीं की जा सकती।

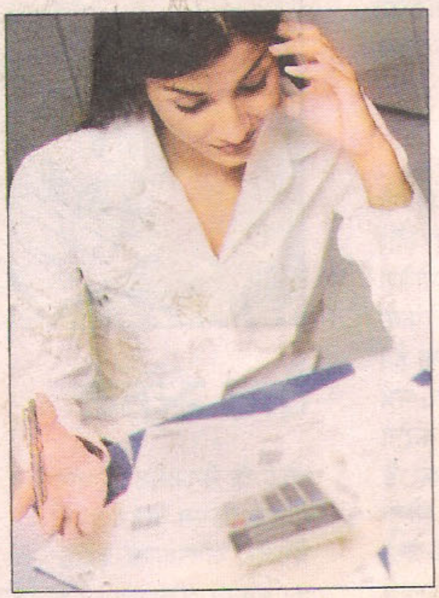

फाइनेंस को उत्पादक बनाने के लिए आवश्यकता होती है, पूंजी के सही इस्तेमाल और निवेश की, क्योंकि वर्तमान युग में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते यह जरूरी हो गया है कि उत्पादन लागत को कम किया जाए।

कोर्स

कोर्स के अंतर्गत कारपोरेट जगत की कंपनियों के फाइनेंस विभाग को फोकस में रखा जाता है और कंपनी के फाइनेंशियल सिस्टम, सर्विसेज, कैपिटल स्ट्रक्चर आदि का अध्ययन कराया जाता है। इसके अतिरिक्त छात्रों को सामान्य मैनेजमेंट, मैनेजेरियल इकोनोमिक्स, कारपोरेट लॉ, स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट, म्यूचुअल फंड मैनेजमेंट आदि विषयों की जानकारी दी जाती है। इसके पश्चात कंपनी में समर ट्रेनिंग भी दी जाती है।

इंस्टीट्यूट

- डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, साउथ कैंपस, बेनितो जुआरेज मार्ग, नई दिल्ली
वेबसाइट : www.mfe.edu
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंस, 2/एएफ, प्लॉट नं. 4, कम्युनिटी सेंटर-2, अशोक विहार-2, दिल्ली,
फोन : 011-27136257
- डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा
- आईसीएफएआई बिननेस स्कूल, 52, नागार्जुन हिल्स, पुंजागुट्टा, हैदराबाद,
फोन : 23435328-29-30

इनके अलावा मैनेजमेंट संस्थानों में फाइनेंस में विशेष योग्यता भी कराई जाती है।

संभावनाएं

बहुराष्ट्रीय कंपनियों का गढ़ बनने के कारण भारत में इस क्षेत्र से संबंधित रोजगार की संभावनाएं असीम हैं। फाइनेंस प्रोफेशनलों की मांग बैंकिंग, म्यूचुअल फंड, क्रेडिट रेटिंग, कारपोरेट फाइनेंस में होती है। इसके अतिरिक्त छात्र मैनेजमेंट ट्रेनी, एडवाइजरी, कंसल्टेंट आदि के रूप में करियर बनाते हैं। विभिन्न संस्थानों में कंपनियां कैम्पस प्लेसमेंट करती हैं। प्रारंभिक वेतन 30,000 से 50,000 के बीच होता है। यह एक वृहद क्षेत्र है, जहां करियर में असीम संभावनाएं हैं।

प्राची गर्ग